**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 15-03-2024**

**भोजपुर(बिहार ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-03-15 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2024-03-16 | 2024-03-17 | 2024-03-18 | 2024-03-19 | 2024-03-20 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 33.0 | 33.0 | 34.0 | 34.0 | 35.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 18.0 | 18.0 | 19.0 | 19.0 | 19.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 75 | 70 | 80 | 80 | 75 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 40 | 35 | 40 | 35 | 40 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 7 | 7 | 8 | 7 | 7 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 290 | 290 | 280 | 290 | 280 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

• भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 13-17 मार्च के दौरान आसमान प्राय: साफ एवं मौसम शुष्क रहने का अनुमान हैं । • अधिकतम तापमान एवं न्यूनतम तापमान में 1-2 डिग्री सेंटीग्रेड की वृद्धि होने का अनुमान है। अधिकतम तापमान 32-35 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 19-20 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है । • सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 35 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है। • पूर्वानुमान की अवधि में 10-12 किमी/घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चल सकती है ।

## सामान्य सलाहकार:

पूर्वानुमानित अवधि में मौसम के शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए सरसों की कटनी, दौनी एवं सुखाने के कार्य को उच्च प्राथमिकता देकर समाप्त करें।

## लघु संदेश सलाहकार:

आगामी शुष्क मौसम को देखते हुए सरसों की कटनी तथा दौनी करें।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| मूँग | गरमा मूंग तथा उरद की बुआई करें। बुआई के पूर्व 20 किलो ग्राम नेत्रजन, 45 किलो ग्राम स्फूर, 20 किलो ग्राम पोटाश तथा 20 किलो ग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम |

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| | ्राट, एस0एम0एल0- 668, एच0यू0एम0-16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद-19, पंत उरद-31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम 2.5 ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीज दर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु 20-25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु 30-35 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी 30X10 से0मी0 रखें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| बैंगन | बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू फल में घुसकर अन्दर से खाकर पूरी तरह फल को नष्ट कर देते हैं, जिससे प्रभावित फलों की बढ़वार रुक जाती है और वे खाने लायक नहीं रहते, आगे चलकर पूरी फसल बरबाद हो जाती है। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर सर्वप्रथम कीट से क्षतिग्रस्त तना एवं फलों की तुराई कर नष्ट कर दें एवं उसके बाद स्पीनेसेड 48 ई0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 लीटर पानी की दर से या क्वीनालफॉस 1.5 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें। |
| प्याज | शुष्क मौसम एवं तापमान में वृद्धि के कारण थ्रिप्स कीट का प्रकोप हो सकता है। यह आकार में अतिसुक्ष्म होता है तथा पत्तियों की सतह पर चिपक कर रस चुसते है जिससे पत्तियों का ऊपरी हिस्सा टेढ़ा-मेढा हो जाता है। पत्तियों पर दाग सा दिखाई देता है जो बाद में हल्के सफेद हो जाते है। जिससे उपज में काफी कमी आती है। थ्रीप्स की संख्या फसल में अधिक पाये जाने पर प्रोफेनोफास 50 ई0सी0 दवा का 1.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का 1.0मि.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। प्याज की फसल में खर-पतवार निकालें। फसल में 10 से 12 दिनों पर लगातार सिंचाई करें। |
| आम | इन दिनों आम के बगीचों में फूल पूरी तरह आ चुका है। आम में मंजर वाली अवस्था से फल के मटर के दाने के बराबर होने की अवस्था के मध्य किसी प्रकार का कोई भी कृषि रसायण का प्रयोग नही करे। विकृत दिखने वाले मंजर को तोडकर बाग से बाहर ले जाकर जला दें अथवा जमीन में गाड़ दें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | दूधारु पशुओं के रख-रखाव एवं खान पान पर विशेष ध्यान दें। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने हेतु साफ दाना, हरे एवं शुष्क चारे के मिश्रण के साथ खिलाये। इनके आहार में प्रर्याप्त मात्रा में कैल्सियम, प्रोटीन, कार्वोहाइड्रेट वसा, विटामिन्स, खनिज लवण एवं एण्टीबायोटिक का समावेश करें। |